**इंडियन इकोनोमिक एसोसियेशन (IEA)**

**नेशनल कॉन्क्लेव 12 नवम्बर 2022**

**वर्चुअल मोड**

**‘’Inflation, Investment and Growth in Indian Economy Issues and Prospects’’**

दिनांक 12/11/2022 को इंडियन इकोनोमिक एसोसियेशन (IEA) के तत्वाधान में वर्चुअल मोड पर भारतीय अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति, निवेश और वृद्धि: मुद्दा और सम्भावनाओं विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया | जिसमें देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री, कुलपति, उपकुलपति, प्रोफेसर्स और रिसर्च स्कॉलर ने भाग लिया | संगोष्ठी के मुख्य वक्ताओं का परिचय देते हुए इंडियन इकोनोमिक एसोसियेशन के जनरल सेक्रेटरी डॉ डी के अस्थाना जी ने वर्तमान समय में संगोष्ठी के विषय की भारतीय अर्थव्यवस्था में गंभीरता को बताते हुए इस पर विचार-विमर्श को महत्वपूर्ण बताया |

जैतवारा सतना कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव जी ने सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि आर्थिक विषमता को कम करने और सामाजिक न्याय के लिए निवेश बहुत आवश्यक है, जिसके लिए मुद्रास्फीति का नियन्त्रण में रहना में जरूरी है | डॉ श्रीवास्तव जी ने राजा चलैया कमेटी का सन्दर्भ देते हुए कहा कि मुद्रास्फीति 4%से6% तक तो रहना सही है पर दो अंको में जाना सही नहीं है|

जगन इंस्टिट्यूट दिल्ली की एसोसियेट प्रोफेसर डॉ सोनिया धीर राष्ट्रीय संगोष्ठी की संयोजक, इंडियन इकोनोमिक एसोसियेशन के अध्यक्ष प्रोफ़ेसर घनश्याम एन सिंह और मणिपुर विश्व विद्यालय के पूर्व वाईस चांसलर तथा संगोष्ठी के अध्यक्ष प्रोफेसर आद्या प्रसाद पाण्डेय जी ने ग्लोबल क्राइसिस के समय भारत को विश्व में सबसे बेहतर स्थान बताया | डॉ पाण्डेय जी ने कहा की covid19 और यूक्रेन युद्ध की मार झेल रहे विश्व की बिगड़ती अर्थव्यवस्था में भारतीय अर्थव्यवस्था सतत विकास की तरफ अग्रसारित है |

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता भूतपूर्व आईएएस अधिकारी, राज्यसभा के जनरल सेक्रेटरी और IGSI नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ योगेन्द्र नारायण जी ने दीपक पारीख (HDFC) की वार्षिक रिपोर्ट का सन्दर्भ देते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक मंदी के खिलाफ भारत अपर विकास क्षमता वाले देश के रूप में खड़ा है | वैश्विक मोद्रिक नीतियों में मौजूदा अस्थिरता अनिश्चितता को बढ़ाता है |इसके बाद भी परिसम्पत्ति की कीमतों में अस्थिरता बढ़ी है और विशेष रूप से उभरते बाजारों के लिए प्रतिकूल स्पिलोवर का जोखिम बढ़ गया है | इस माहौल में यह स्वभाविक है कि कुछ निवेशक तेजी से उत्तेजित हो सकते हैं | इन परिस्तिथियों के बावजूद यह आश्वस्त करने वाला है की पर्याप्त दीर्घकालिक निवेशक हैं जो मानते हैं की भारत का सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है | डॉ नारायण जी ने कहा कि व्यवसाय शुरू करने को सरल बनाया गया है जिससे FDI में निश्चित तौर पर बढोत्तरी हुई है | रक्षा, निर्माण, रेलवे और बीमा जैसे क्षेत्रों को निजी निवेशकों खोलकर FDI को प्रोत्साहित किया गया है | चालू वित्त वर्ष में राजस्व कर में 35% और GST में 53% की वृद्दि हुई है | निश्चित तौर पर बढ़ती हुई मुद्रास्फीति के दौर में भी भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में नेतृत्व करने के दौर में है |

संगोष्ठी के दूसरे मुख्य वक्ता अर्थशास्त्र के प्रोफेसर और IJEP नई दिल्ली के चीफ एडिटर प्रोफेसर श्री प्रकाश जी ने पीपीटी के माध्यम से बौद्धिक गरीबी पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय पत्रिकाओं में छपे लेख को दोयम दर्जे का मानकर अपेक्षाकृत विदेशी पत्रिकाओं में छपे स्तरहीन लेखन सामग्री को महान मानने की मानसिकता हमारी दासता की परिचायक है, इससे हमे छुटकारा पाना चाहिए क्यूंकि भारतीय अर्थव्यवस्था ब्रिटिश अर्थव्यवस्था से बढ़ी है और तेज़ी से बढ़ रही है |2014 से 2021-22 तक प्रत्येक वर्ष 4.12% की दर से प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है, जिसका नेतृत्व युवा कर रहे हैं | प्रोफेसर श्री प्रकाश जी ने कहा भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों के घटते-बढ़ते शेयरों से जुड़ा है |प्रद्योगिकी में परिवर्तन और बढ़ती श्रम उत्पादकता भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास पर हावी है | आधुनिक विकास की एक महत्वपूर्ण विशेषता है अधिकांश गतिविधियों का वस्तुकरण जिसके परिणामस्वरूप रसोई को बाजार में रखा गया है, जैसे –मसाले, तैयार भोजन, होटलों की संख्या में वृद्धि, कैफेटेरिया आदि | निवेश रोजगार, आय, मुद्रास्फीति में अच्छा और बुरा दोनों पहलुओं का गठन करता है | उन्होंने कहा कि अधिक आय असमानताएं पिछड़े क्षेत्रो और जनसंख्या समूहों के लिए समस्याग्रस्त होगी जिनकी आय कीमतों की तुलना में कम तेजी से बढ़ती है, इसलिए वृद्धि के परिणामस्वरूप आय, रोजगार और कीमतों में मुद्रास्फीति में वृद्धि होती है | यदि कीमतों की तुलना में आय अधिक तेजी से बढ़ती है तो मुद्रास्फीति में कोई समस्या नहीं है | हालांकि मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण से क्षेत्रों और सामाजिक क्षेत्रों के बीच आय के वितरण का स्तर और पैटर्न दोनों महत्वपूर्ण है |

संगोष्ठी के अन्य वक्ता एस आर के विश्व विद्यालय के डायरेक्टर डॉ सुधीर कुमार शर्मा ने कहा कि किसी भी की अर्थव्यवस्था में व्यापार नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिसमें कर का अनुमान प्रति व्यक्ति आय के फलन के रूप में लगाया जाता है | एस एंड पी ग्लोबल मार्किट इटेलिजेंस में इकोनॉमिक्स के एसोसियेट डायरेक्टर पोल्याना डी लीमा का सन्दर्भ देते हुए डॉ सुधीर जी ने कहा कि भारतीय सेवा क्षेत्र ने सितम्बर में विकास की गति में कुछ कमी के बावजूद नवीनतम क्रय प्रबन्धक सूचकांक डेटा के साथ एक मजबूत प्रदर्शन जारी रखने के साथ कई प्रतिकूलताओं को पार कर लिया है | सरकार ने अर्थव्यवस्था पर covid-19 के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए वित्तीय मौद्रिक नीतियों का विवेकपूर्ण मिश्रण लागू किया है | 12 मई 2020 को सरकार ने आत्मनिर्भर भारत पैकेज की घोषणा की, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद के 10% के बराबर 20 लाख करोड़ रु का एक विशेष आर्थिक और व्यापक पैकेज है, जिसका उद्देश्य व्यवसाय को प्रोत्साहित करना, निवेश आकर्षित करना और मेक इन इंडिया के संकल्प को मजबूत करना है | प्रधानमन्त्री जी 13 अक्टूबर 2021 को विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों को मल्टीमोडल कनेक्टिविटी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदान करने के लिए पी एम गति शक्ति राष्ट्रीय योजना की शुरुआत की | डॉ सुधीर जी ने पीपीटी के माध्यम से बताया कि पी एम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान हमारे स्थानीय निर्माताओं को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा बनाने में एक लम्बा रास्ता तय करेगा और इससे भविष्य के आर्थिक क्षेत्रों के निर्माण की नई सम्भावनाएं भी विकसित होंगी | कालीकट विश्व विद्यालय की डॉ रम्या राजन ने संगोष्ठी में सभी अतिथि वक्ताओं और प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया | अंत में इंडियन इकोनोमिक एसोसियेशन के चीफ कॉफ्रेंस कॉर्डिनेटर डॉ ऐ के तोमर ने संगोष्ठी में सभी प्रतिभागियों को शुभकामनायें देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह की परिचर्चाओं को महत्वपूर्ण बताया और कहा इंडियन इकोनोमिक एसोसियेशन देश के सतत विकास में ऐसे विषयों पर विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित कर उनके बौद्धिक विचारों से न केवल सरकार की आर्थिक नीतियों को समझने में मददगार साबित होती है वरन शोधार्थी विद्यार्थियों के लिए नवीन शोध विषय के लिए मंच भी प्रदान करती है, जिसके लिए वह भविष्य में भी प्रयासरत रहेगी | IEA की ट्रेजेर और आर डी कॉलेज की प्राचार्य डॉ इंदु वार्ष्णेय, संगोष्ठी की टेक्निकल कॉर्डिनेटर डॉ मोनिका वार्ष्णेय, इंडियन इकोनोमिक एसोसियेशन की सदस्य अर्चना मुद्गल SAVASS संस्थान के अध्यक्ष डॉ मुकेश शर्मा, UP इकोनोमिक एसोसियेशन के सुनील कुमार चौहान, डॉ विक्रम सिंह आदि लोगों ने प्रतिभाग किया |